

प्रीलिमिंस फ़ैक्ट्स : 13 जून 2018

ऊर्जा कुशल अचल संपत्तित्द्योग के लिये पहला उत्कृष्टता केंद्र

चर्चा में क्यों?

भारत में ऊर्जा कुशल अचल संपत्तित्द्योग को बढ़ावा देने के लिये, महदिरा लाइफस्पेस डेवलपर्स और TERI ने ऊर्जा कुशल अचल संपत्तित्द्योग के लिये अपनी तरह का पहला उत्कृष्टता केंद्र (CoE) लॉन्च करने की घोषणा की है।

प्रमुख बंदि

- उत्कृष्टता केंद्र का उदेश्य बाज़ार में उपयोग के लिये तैयार, मापनीय और ऊर्जा कुशल सामग्री और तकनीक हेतु एक मज़बूत और सुसंगत डाटाबेस वकिसति करना है।
- यह 'हरति' वकिस को बढ़ावा देने के लिये केंद्र और राज्य के मंत्रालयों के लिये नीति तैयार करने की दशिया में भी काम करेगा जो भारत के अचल संपत्तित्द्योग में बदलाव ला सकता है और इस प्रकार देश में कार्बन उत्सर्जन की समस्या से नपिटने में भी मदद मलि सकती है।
- उत्कृष्टता केंद्र द्वारा कयि गए शोध, डेवलपर्स को अधकि-से-अधकि हरति भवनों का नरिमाण करने में सहायता प्रदान करेगे।
- अचल संपत्तित्द्योग और भवन नरिमाण सामग्री उद्योगों को डाटाबेस, दशिया-नरिदेश और मापदंड उपलब्ध कराने से पूरव शोध के नषिकर्षों को व्यावहारकि तौर पर परखा जाएगा।
- शोध के नषिकर्ष सार्वजनकि डोमेन पर उपलब्ध रहेंगे।
- यह प्रयास कयि जाएगा कि शोध के नषिकर्षों या उत्पादों और सफिरशियों का डेवलपर, वास्तुकार और नज्जी भवन नरिमाता बड़े पैमाने पर उपयोग करें।
- भारत में वर्तमान समय में पाँच प्रतशित से भी कम ऊर्जा कुशल नरिमाण सामग्री उपलब्ध है; यह उत्कृष्टता केंद्र भारत में हरति भवनों को बढ़ावा देने के लिये अत्याधुनकि शोध तकनीक, उपकरण और काम-काज का आकलन कर सकने वाले उपाय अपनाने की दशिया में काम करेगा।
- यह संयुक्त शोध पहल, भारत के अचल संपत्तित्क्षेत्र में ओपेन सोर्स और वज्जान आधारति समाधान को वकिसति करेगा।
- यह CoE वृहद शहरी साझेदारी वाला एक पारसिथितिकि तंत्र वकिसति करेगा जो भारत के शहरों एवं कस्बों को 'हरति स्वरूप' में परिवर्तति करने की क्षमता प्रदान करेगा।

ग्लोबल वारमगि के कारण शाक-सब्जयिाँ हो जाएंगी दुर्लभ

चर्चा में क्यों?

हाल में शोधकर्त्ताओं द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि कृषिके वकिसति नए तरीकों तथा फसलों की अनुकूल कसिमें को नहीं अपना जाएगा तो ग्लोबल वारमगि के कारण दुनयिया भर में सब्जयिाँ दुर्लभ हो सकती हैं।

प्रमुख बंदि

- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस शताब्दी के अंत तक कम पानी और गरम हवा के कारण स्वस्थ आहार के लिये आवश्यक लगभग एक-तहिाई सब्जयिाँ की पैदावार कम हो जाएगी।
- वर्ष 2100 तक तापमान में 7.2 फारेनहाइट (4 सेल्सियस) की वृद्धि होने की उम्मीद है यदि ऐसा हुआ तो सब्जयिाँ की औसत पैदावार 31.5 प्रतशित तक कम हो सकती है।
- तापमान में वृद्धि के कारण दक्षिणी यूरोप, अफ्रीका और दक्षिणी एशिया के बड़े हिस्से वशिष रूप से प्रभावति हो सकते हैं।
- यह नषिकर्ष वर्ष 1975 से अब तक सब्जयिाँ और फलयिाँ की उपज और पौष्टिक सामग्री पर पर्यावरणीय प्रदर्शन के प्रभाव की जाँच के 174 अध्ययनों की व्यवस्थति समीक्षा पर आधारति है।

कर्रेडिटि इन्हान्समेंट फंड

चर्चा में क्यों?

सरकार बीमा और पेंशन फंड द्वारा बुनियादी ढांचे में नविश की सुविधा के लिये 500 करोड़ रुपए के कर्रेडिटि एन्हांसमेंट फंड का अनावरण करने के लिये तैयार है।

परमुख बद्दि

- वत्तित वर्ष 2016-17 के आम बजट में पहली बार इस फंड की घोषणा की गई थी।
- यह फंड आधारभूत संरचना कंपनयों द्वारा जारी कयि गए बॉण्ड की कर्रेडिटि रेटगि को अपग्रेड करने और पेंशन तथा बीमा फंड जैसे नविशकों से नविश की सुविधा प्रदान करने में मदद करेगा।
- इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (IIFCL) द्वारा प्रायोजित फंड की प्रारंभिक राश 500 करोड़ होगी, और यह गैर-बैंकगि वत्तितय कंपनी के रूप में काम करेगा।
- योजना के अंतर्गत CEF में IIFCL हस्सिसेदारी 22.5 प्रतशित होगी।
- एशयिन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) ने फंड में 10 प्रतशित हस्सिसेदारी को स्वीकृती दी है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के कर्रजदाता भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा भारतीय जीवन बीमा नगिम ने भी इस फंड में हस्सिसेदारी लेने की स्वीकृती दी है।

भवानी नदी

चर्चा में क्यों?

कोयम्बटूर ज़िले में लगातार हो रही बारश के कारण भवानी नदी के कनारे बसे इलाकों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

भवानी नदी के बारे में

- यह तमलिनाडु की दूसरी सबसे लंबी नदी है।
- यह पलक्कड़ ज़िले के माध्यम से केरल में प्रवेश करती है।
- यह नदी केरल के साइलेंट वैली नेशनल पार्क से गुज़रती है।
- भवानी, कावेरी की सहायक नदी है जो तमलिनाडु के पश्चिमी घाटों की नीलगरिपिहाड़यों के दक्षणि-पश्चिमि कनारे से उत्पन्न होती है।
- यह तमलिनाडु, केरल और करनाटक में बहती है।
- पश्चिमि और पूरवी वारागर नदयों समेत बारह परमुख सहायक नदयों दक्षणि नीलगरि की ढलानों से अपवाहति होने वाली भवानी नदी में शामिल हो जाती है।